वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत
प्रथम वर्ष बी.ए.
हिंदी - एक्सटर्नल (External)
(2017 - 2018, 2018 - 2019, और 2019 – 2020 के शैक्षणिक वर्ष के लिए)

प्रश्नपत्र – 1. हिन्दी काव्य- शबरी, काव्य-सुमन : (मुख्य – गौण) (Total Marks 100)

(Core course 01 – Elective course 01)

पाठ्यपुस्तक : 1. शबरी – नरेश महेता (लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद)
2. काव्य-सुमन - महेंद्र कुलश्रेष्ठ (राजपाल एन्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र :

ईकाई -1.

नरेश महेता : व्यक्तित्व एवम् कृतित्व, खंडकाव्य : परिभाषा एवम् लक्षण,
'शबरी' : कथावस्तु, 'शबरी' : काव्य – स्वरूप।

ईकाई – 2.

'शबरी' के मुख्य पात्र : चरित्र चित्रण , 'शबरी' में प्रकृति वर्णन,
'शबरी' में भक्ति-भावना, 'शबरी' में नारी-भावना।

ईकाई – 3.

कैकयी का पश्चाताप - मैथिलीशरण गुप्त, पुकार – जयशंकर प्रसाद
जागो फिर एक बार, भिक्षुक - सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
जो बीत गयी सो बात गयी– हरिवंशराय बच्चन ।

ईकाई – 4.

हिमालय के प्रति – रामधारी सिंह दिनकर, कविता की मौत – धर्मवीर भारती,
मेरे दीपक, मुरझाया फुल– महादेवी वर्मा , मौन निमंत्रण – सुमित्रानंदन पन्त ।

ईकाई – 5.

(अ) 'शबरी' के गौण पात्र, 'शबरी' शीर्षक की सार्थकता
'शबरी' काव्य का उद्देश्य , 'शबरी' का भाव पक्ष एवम् कला-पक्ष ।

(ब) छिनने आये हैं वे – सर्वेश्वरदयाल सक्सेना , मतदाता, सुदामा –सुदामा पाण्डेय धूमिल,
पत्थर की बैंच– चंद्रकांत देवताले, एकलव्य – कीर्ति चौधरी,
जन जन का चेहरा एक– गजानन माधव मुक्तिबोध ।

अंक विभाजन : सभी प्रश्नों के अंक सामान हैं |

ईकाई 1,2, 3 और 4 से एक – एक आलोचनात्मक प्रश्न (20 x 4 = 80)

ईकाई 5 में (अ) और (ब) से एक– एक टिप्पणी (10 x 2= 20)

सन्दर्भ – पुस्तकें :

1. मैथिलीशरण गुप्त– संपा. नवल किशोर (राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली)
2. मैथिलीशरण गुप्त एक मूल्यांकन– राजीव सक्सेना (हिंदी बुक सेंटर नई दिल्ली)
3. हिंदी के स्वातंत्र्योत्तर मिथकीय खंडकाव्य – डॉ. कविता शर्मा
4. हिंदी के खंडकाव्यों में युग बोध – डॉ. राज भारद्वाज
5. हरिवंश राय बच्चन की साहित्य साधना– पुष्पभारती (वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली)
6. हिंदी रामकाव्य:नये सन्दर्भ – डॉ. प्रमिला अवस्थी
7. निराला– डॉ. रामविलास शर्मा (राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली)
8. जयशंकर प्रसाद– आ. नंददुलारे वाजपेयी
9. नई कविता– डॉ. देवराज (वाणी प्रकाशन, दिल्ली)
10. सुमित्रानंदन पन्त– आनंद प्रकाश दीक्षित
11. नई कविता का सौन्दर्य बोध– रेनू दीक्षित
12. हिंदी साहित्य में रूपक कथा – काव्य: उद्भव और विकास – डॉ. नूरजहाँ बेगम
13. आज के लोकप्रिय हिंदी कवि दिनकर– संपा. मनमंथ नाथ गुप्त (राजपाल एण्ड संस, दिल्ली)
14. आधुनिक प्रबंधकाव्य : संवेदना के धरातल – संपा. डॉ. विनोद गोदरे

==========

प्रश्नपत्र – 2. उपन्यास और आधुनिक कहानी : स्वामी, कहानी – कुंज : (मुख्य और गौण)

(Core course 02 – Elective course 02) (Total Marks 100)

पाठ्यपुस्तक : 1. कहानी – कुंज : डॉ. वी. पी. 'अमिताभ' (गोविन्द प्रकाशन मथुरा, उत्तर प्रदेश)

2. स्वामी – मन्नू भंडारी (प्रकाशक-लोकभारती प्रकाशन ,इलाहाबाद)

अध्ययन के लिए निर्धारित क्षेत्र

इकाई -1.

कहानी विधा का परिचय , उदभव एवं विकास , तत्त्व एवं प्रकार |

कहानियों का सम्पूर्ण अध्ययन एवं कहानीकार का परिचय :

परीक्षा - प्रेमचंद,भोलाराम का जीव-हरिशंकर परसाई, वापसी - उषा प्रियंवदा |

इकाई – 2.

कहानियों का सम्पूर्ण अध्ययन एवं कहानीकार का परिचय:

ममता – जयशंकर प्रसाद, आदमी का बच्चा -यशपाल,

अपना –पराया - जैनेन्द्र कुमार, अकेली - मन्नू भंडारी |

ईकाई – 3.

मन्नू भंडारी : व्यक्तित्व और कृतित्व, उपन्यास विधा का परिचय

'स्वामी' उपन्यास कीकथावस्तु , 'स्वामी' उपन्यास एक प्रणय त्रिकोण की कथा है,

'स्वामी' उपन्यास तात्विक विश्लेषण |

इकाई – 4.

'स्वामी' उपन्यास के मुख्य पात्र - सौदामिनीघनश्याम , और नरेन्द्र |

'स्वामी' उपन्यास एक सामाजिक उपन्यास है |

इकाई – 5.

(अ) कहानियों का अध्ययन : कहानी शीर्षक की सार्थकता, उद्देश्य एवं सन्देश,

बाप-बेटा - भीष्म साहनी, मवाली – मोहन राकेश, दिल्ली में एक मौत – कमलेश्वर |

(ब) स्वामी' उपन्यास शीर्षक की सार्थकता, 'स्वामी' उपन्यास के एवं गौण पात्र,

'स्वामी' उपन्यास की भाषा-शैली, 'स्वामी' उपन्यास का अंत, 'स्वामी' उपन्यास का उद्देश्य |

अंक विभाजन : सभी प्रश्नों के अंक सामान हैं |

इकाई 1,2,3 और 4 से एक– एक आलोचनात्मक प्रश्न (20 x 4 = 80)

इकाई 5 में (अ) और (ब) से एक– एक टिप्पणी (10 x 2= 20)

संदर्भ - पुस्तकें :

1. प्रेमचंद-डॉ.सत्येन्द्र, राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली
2. प्रेमचंद-डॉ.रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली
3. हिंदी कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मिश्र) राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली
4. नई कहानीःसंदर्भ और प्रवृत्ति-संपा.डॉ.देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली
5. एक दुनियाः समानान्तर-संपा.राजेन्द्र यादव , राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली
6. कथा-साहित्य के सौ बरस-संपा.विभूति नारायण राय, शिल्पायन,शाहदरा ,दिल्ली
7. हिंदी कहानीः प्रकिया और पाठ-सुरेन्द्र चौधरी , राधाकृष्ण प्रकाशन ,नई दिल्ली
8. हिंदी कहानी का इतिहास-डॉ.गोपाल, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ल
9. कहानीःस्वरूप और संवेदना-राजेन्द्र यादव
10. हिंदी उपन्यास के सौ वर्ष - डॉ.रामदरश मिश्र (गिरनार प्रकाशन. मेहसाणा)
11. हिंदी उपन्यास का इतिहास - डॉ.गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली
12. हिंदी उपन्यास एक अंतर्यात्रा– डॉ. रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन प्रा.लि.नई दिल्ली
13. शरत के नारी पात्र– रामस्वरूप चतुर्वेदी (भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली)

==========